पीएलआई योजना बदल रही भारत का विनिर्माण

मार्च 2025 तक 14 क्षेत्रों में 806 आवेदन स्वीकृत, 1.76 लाख करोड़ निवेश

इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन 146% बढ़ा, भारत बना प्रमुख मोबाइल विनिर्माण केंद्र

नई दिल्ली, 24 अगस्त. महत्वाकांक्षी उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना भारत के विनिर्माण क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव ला रही है. ?1.97 लाख करोड़ के परिव्यय वाली यह योजना देश के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी को 25त्न तक बढ़ाने के लक्ष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गई है, जिससे भारत एक वैश्विक औद्योगिक शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है.

मार्च 2025 तक, पीएलआई पहल के तहत 14 रणनीतिक क्षेत्रों में 806 आवेदन स्वीकृत किए गए हैं, जिनसे रु. 1.76 लाख करोड़ का निवेश आकर्षित हुआ है और 12 लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई हैं.

इलेक्ट्रॉनिक्स- यह क्षेत्र पीएलआई योजना की एक प्रमुख सफलता के रूप में उभरा है. इस योजना ने भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में शामिल होने में मदद की है. वित्तीय वर्ष 2020-21 में ?2.13 लाख करोड़ से बढ़कर वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्पादन 146त्न बढ़कर रु. 5.25 लाख करोड़ हो गया है. प्रमुख स्मार्टफोन कंपनियों ने अपना उत्पादन भारत में स्थानांतरित किया है, जिससे देश एक प्रमुख मोबाइल फोन विनिर्माण केंद्र बन गया है.

ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट- इस क्षेत्र में ?67,690 करोड़ का निवेश प्रतिबद्ध किया गया है, जिसमें से मार्च 2024 तक ?14,043 करोड़ का निवेश हो चुका है, जिससे 28,884 से अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं. यह योजना इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वच्छ प्रौद्योगिकी के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रही है.

फार्मास्युटिकल यह क्षेत्र आयात पर अपनी निर्भरता कम करने में सफल रहा है. वित्तीय वर्ष 2021-22 में 1,930 करोड़ के व्यापार घाटे से, भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 2,280 करोड़ के व्यापार अधिशेष पर पहुंच गया है.

सौर ऊर्जा उच्च-दक्षता वाले सौर पीवी मॉड्यूल के लिए पीएलआई योजना 48 त्ड्ड की पूरी तरह से एकीकृत विनिर्माण क्षमता तैयार करेगी, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी.

आर्थिक परिवर्तन का उत्प्रेरक

पीएलआई योजना केवल संख्याओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह क्षेत्र-विशिष्ट समूहों (क्लस्टर्स) को बढ़ावा देकर भारत के औद्योगिक परिदृश्य को बदल रही है. यह विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को भी उत्प्रेरित कर रही है और प्रमुख इकाइयों के आसपास आपूर्तिकर्ता और विक्रेता नेटवर्क बनाकर एमएसएमई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत कर रही है. फ्रआत्मनिर्भर भारतफ्र और 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्यों के साथ संरेखित, पीएलआई योजना भारत के औद्योगिक पुनर्जागरण को बढ़ावा दे रही है.

रुपया एक सप्ताह में 6.50 पैसे मजबूत हुआ

मुंबई, 24 अगस्त (वार्ता) मजबूत निवेश धारणा और घरेलू शेयर बाजारों में रही तेजी से बीते सप्ताह रुपया 6.50 पैसे मजबूत हुआ और शुक्रवार को अंतिम कारोबारी दिवस पर 87.5250 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ.

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह तेजी देखी गयी. इसका असर भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा. साथ ही मध्यम और दीर्घावधि के लिए निवेशकों की धारणा मजबूत रहने का फायदा भी रुपये को मिला. बढ़त के बावजूद रुपया पिछले कुछ समय से 87 रुपये प्रति डॉलर से मजबूत नहीं हो पा रहा है और अपने ऐतिहासिक निचले स्तर 87.88 रुपये प्रति डॉलर के करीब बना हुआ है.

स्टारलिंक को मिला यूनिफाइड लाइसेंस

भारत में ही स्थापित होंगे अर्थ स्टेशन गेटवे

भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा विदेश नहीं जाएगा

नई दिल्ली, 24 अगस्त. केंद्रीय संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्र शेखर ने बताया है कि सरकार ने स्टारलिंक को भारत में अपना संचालन शुरू करने की अनुमति दे दी है. यह मंजूरी कंपनी द्वारा देश के घरेलू कानूनों और सुरक्षा शर्तों का पालन करने पर सहमति जताने के बाद दी गई है. इन शर्तों में विदेशों में डेटा की कॉपी और डिक्रिप्शन पर रोक तथा भारतीय उपयोगकर्ता के डेटा को किसी विदेशी सर्वर पर नहीं भेजने जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं.

भारत में ही स्थापित होंगे अर्थ स्टेशन गेटवे- मंत्री ने प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया (पीटीआई) को बताया कि सुरक्षा शर्तों के तहत सैटेलाइट संचार प्रदाताओं को भारत में ही अर्थ स्टेशन गेटवे स्थापित करना अनिवार्य है. उपग्रहों से उपयोगकर्ताओं तक होने वाला संचार इन्हीं गेटवे के माध्यम से होगा.

संचार मंत्रालय के अनुसार, दूरसंचार विभाग ने स्टारलिंक सैटेलाइट कम्युनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड को यूनिफाइड लाइसेंस (रु) तब दिया, जब अमेरिकी कंपनी ने सभी आवश्यक नियमों और सुरक्षा शर्तों का पालन करने पर सहमति जताई, जो सभी सैटेलाइट संचार कंपनियों पर लागू होती हैं.मंत्री ने बताया कि सुरक्षा शर्तों में यह भी शामिल है कि भारत से उत्पन्न या भारत के लिए निर्धारित कोई भी उपयोगकर्ता डेटा विदेश में स्थित किसी भी गेटवे के माध्यम से नहीं भेजा जाएगा. इसके अलावा, भारतीय डेटा को देश के बाहर कॉपी या डिक्रिप्ट नहीं किया जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ता के डेटा को विदेशों में स्थित किसी भी सिस्टम या सर्वर पर नहीं भेजा जाएगा.

उन्होंने यह भी कहा कि दूरसंचार विभाग ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण से सैटेलाइट-आधारित संचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन की शर्तों पर सिफारिशें मांगी थीं, जो 9 मई को प्राप्त हो चुकी हैं .मंत्री ने आगे कहा कि सैटेलाइट-आधारित संचार एक उभरता हुआ क्षेत्र है और इससे देश में रोजगार सृजन होने की भी उम्मीद है, क्योंकि इसमें दूरसंचार नेटवर्क, जिसमें उपयोगकर्ता टर्मिनल उपकरण भी शामिल हैं, की स्थापना, संचालन और रखरखाव शामिल है.

सीआईआई ने विकसित भारत के लिए पेश किया सुधारों का खाका

नयी दिल्ली, 24 अगस्त.उद्योग मंडल सीआईआई ने रविवार को भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार का एक खाका पेश किया है. इसमें सरलीकृत जीएसटी संरचना, गैर-रणनीतिक सावजनिक उपक्रमों का निजीकरण, युक्ति संगत शुल्क संरचना, विवादों के शीघ्र समाधान, राष्ट्रीय रोजगार और गिग अर्थव्यवस्था नीतियों पर जोर दिया गया है.

भारतीय उद्योग परिसंघ ने अपनी रिपोर्ट प्रतिस्पर्धी भारत के लिए नीतियां में 14 महत्वपूर्ण सुधार क्षेत्रों में 250 से अधिक सिफारिशें की हैं. इसमें कहा गया कि उद्योग जगत के प्रमुखों, अर्थशास्त्रियों और नीति विशेषज्ञों के साथ व्यापक परामर्श के जरिये विकसित यह खाका सरकार के विकसित भारत के नजरिये के अनुरूप है. सीआईआई के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने कहा, ये सिफारिशें सरकार के सुधारों के साथ निकटता से जुड़ी हैं और प्रधानमंत्री के साहसिक एवं रूपांतरकारी बदलाव के आह्वान का समर्थन करती हैं. एक जीवंत दस्तावेज के रूप में एक प्रतिस्पर्धी भारत के लिए नीतियां लगातार विकसित होती रहेंगी और नीति निर्माताओं के समर्थन में नए विचार लेकर आएंगी. सुधार के क्षेत्रों में राजकोषीय सूझबूझ, मुद्रास्फीति प्रबंधन और आधुनिक सांख्यिकीय प्रणालियां, गैर-रणनीतिक सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण, एक संप्रभु धन कोष का निर्माण आदि शामिल हैं.

पारादीप फॉस्फेट्स दोगुना करेगा नैनो उर्वरक उत्पादन

एक साल में लक्ष्य—सालाना एक करोड़ बोतल, आयात निर्भरता घटाने पर जोर

नई दिल्ली, 24 अगस्त. उर्वरक उद्योग में देश की आयात निर्भरता को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड ने अगले एक साल के भीतर अपने नैनो उर्वरक उत्पादन को दोगुना करने की घोषणा की है. कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुरेश कृष्णन के अनुसार, पीपीएल का लक्ष्य सालाना एक करोड़ बोतल नैनो उर्वरक का उत्पादन करना है.

उत्पादन में लगातार वृद्धि और तकनीक की स्वीकार्यता- भुवनेश्वर स्थित इस कंपनी ने पिछले साल 15 लाख बोतल नैनो उर्वरक बेची थीं और इस साल यह आंकड़ा 35 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है. कंपनी ने उच्च दक्षता वाले पोषक तत्वों के उत्पादन में सालाना 20-25त्न की वृद्धि का लक्ष्य रखा है.

कृष्णन ने बताया कि नैनो-उर्वरकों, विशेष रूप से नैनो-यूरिया और नैनो-डीएपी को भारतीय कृषि में अच्छी तरह से स्वीकार किया जा रहा है. ये पारंपरिक उर्वरकों की तुलना में अधिक पोषक तत्व उपयोग दक्षता प्रदान करते हैं. उन्होंने कहा कि यह तकनीक महाराष्ट्र, कर्नाटक, पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी भारत सहित विभिन्न क्षेत्रों में लोकप्रिय हो रही है. कृष्णन ने आगे कहा कि कंपनी का पूरा नैनो उत्पाद फिलहाल उत्तर भारत में बन रहा है, लेकिन अब जल्द ही वे दक्षिण भारत में भी प्रवेश करेंगे. उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में कर्नाटक में एक करोड़ अतिरिक्त बोतलों की उत्पादन क्षमता का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा.

दक्षिण भारत में भी विस्तार की योजना

वर्तमान में, पारादीप फॉस्फेट्स की नैनो-उर्वरक उत्पादन क्षमता प्रति माह चार लाख बोतल है, जो सालाना 50 लाख बोतलों के बराबर है. कंपनी की योजना एक साल के भीतर इसे बढ़ाकर एक करोड़ बोतल करने की है.

चावल महंगा, गेहूं सस्ता, तेल-दाल में उतार-चढ़ाव

चावल 45 रुपये बढ़कर 3,831 रुपये प्रति क्विंटल

गेहूं 13 रुपये सस्ता, आटा भी 3 रुपये टूटा

नयी दिल्ली, 24 अगस्त (वार्ता) घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये जबकि गेहूं में गिरावट रही. चीनी में भी तेजी रही. वहीं, दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव देखा गया.

घरेलू थोक बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 45 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,831.01 रुपये प्रति क्विंटल पर रही. वहीं, गेहूँ 13 रुपये सस्ता होकर 2,841.88 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका. आटे की कीमत तीन रुपये उतर गयी और यह 3,307.05 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा. सरसों तेल की औसत कीमत 15 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी. मूंगफली तेल में 33 रुपये और वनस्पति में 38 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक गिरावट रही.

बीते सप्ताह दाल-दलहनों में चना दाल, उड़द दाल और मूंग दाल के औसत भाव बढ़ गये. चना दाल औसतन 26 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. उड़द दाल लगभग 28 रुपये और दाल मूंग 19 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई. मसूर दाल 12 रुपये और तुअर दाल 28 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई. गुड़-चीनी बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब स्थिर रहे. चीनी में दो रुपये प्रति क्विंटल की मामूली तेजी रही.

द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का प्रीव्यू पेश

जबलपुर। नेटफ्लिक्स ने आज शाम शहर में द बैड्स ऑफ बॉलीवुड का प्रीव्यू पेश कर माहौल को रोशन कर दिया। यह आर्यन खान का डायरेक्टोरियल डेब्यू है, जो 18 सितंबर को लॉन्च होने जा रहा है। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित, इस सीरीज को आर्यन खान ने क्रिएट किया है और को-क्रिएटर्स बिलाल सिद्दीकी और मानव चौहान ने भी मिलकर इसे लिखा है।

बीपीओ सेवाओं में भारत ने पकड़ी रफ्तार

आईटी सेवाओं से तेज़ी से बढ़ रहा है निर्यात, 2026 तक रुझान जारी रहने का अनुमान

नई दिल्ली, 24 अगस्त. कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट के अनुसार भारत में व्यापार प्रक्रिया आउटसोर्सिंग सेवाओं का निर्यात लगातार सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवाओं से तेज़ी से बढ़ रहा है.

अनुमान है कि यह रफ्तार वित्त वर्ष 2026 तक बनी रहेगी.रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी ग्राहक अब लागत कम करने पर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं. इसी कारण कंपनियाँ व्यापार प्रक्रियाओं को बाहर से कराने को प्राथमिकता दे रही हैं.

भारतीय बीपीओ कंपनियाँ अपनी कम लागत और बेहतर परिणामों के कारण वैश्विक स्तर पर मज़बूत चुनौती बनकर उभरी हैं.

रिपोर्ट में कहा गया है कि नई तकनीक, खासकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बड़े सेवा प्रदाताओं के लिए चुनौती बन सकती है, क्योंकि कई काम अपने आप होने लगेंगे.

समाचार विशेष

अजित गुट ने तेज की मनपा चुनाव की तैयारी

मंबई. महाराष्ट्र में लगातार हो रही बारिश ने कहर बरपाया है. इसी बीच, महाराष्ट्र की राजनीति भी तेज हो गई है. अक्टूबर में संभावित मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव की आहट के बीच महायुति और विपक्षी दलों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं. उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा-अजित गुट) ने भी चुनावी मोर्चेबंदी तेज कर दी है.

राकां (अजित पवार गुट) की मुंबई चुनाव प्रबंधन समिति की दूसरी बैठक बुधवार को मुंबई प्रदेश कार्यालय में हुई, जिसमें पूर्व मंत्री नवाब मलिक ने नेतृत्व किया. उन्हें चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है. बैठक में नवाब मलिक ने पार्टी नेताओं और विभिन्न सेल के पदाधिकारियों को जीत सुनिश्चित करने के लिए अहम दिशा-निर्देश दिए. इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे. इसमें मुंबई कार्याध्यक्ष सिद्धार्थ कांबले, शिवाजीराव नलावडे, विधायक सना मलिक-शेख, पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी, प्रदेश उपाध्यक्ष भास्कर विचारे, प्रदेश प्रवक्ता संजय तटकरे और मुंबई सरचिटणीस राजू घुगे शामिल थे. इसके अलावा महिला, विद्यार्थी, ओबीसी, सामाजिक न्याय, सहकार, अल्पसंख्यक और झोपड़पट्टी सेल के प्रमुखों ने भी भाग लिया. नवाब मलिक ने विशेष रूप से कहा कि मुंबई मनपा चुनाव राज्य की राजनीति में सबसे अहम है. हमें हर स्तर पर बूथ और जनता तक पहुंचकर काम करना होगा. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को संगठित होकर चुनाव प्रचार और लोगों से जुड़ने के निर्देश दिए.

तीन दशकों से शिवसेना का दबदबा

गौरतलब है कि मुंबई मनपा पर पिछले तीन दशकों से शिवसेना का दबदबा रहा है. हालांकि इस बार शिवसेना के दो धड़ों (उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे) में बंटवारे के बाद चुनाव बेहद दिलचस्प होने जा रहा है. ऐसे में बीजेपी, शिंदे गुट और अजित पवार गुट की महायुति भी पूरी तैयारी में है. वहीं, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना भी मोर्चा संभाल चुकी है. इस तरह, एक ओर जहां महाराष्ट्र भारी बारिश और बाढ़ जैसी चुनौती से जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर मुंबई का मनपा चुनाव राजनीतिक दलों के लिए बड़ी परीक्षा साबित होने वाला है.

एक बार जीती तो फिर नहीं हारी भाजपा

ऐसा है चनपटिया सीट का चुनावी इतिहास

पटना. बिहार की राजनीति में हर विधानसभा की एक अलग खासियत है और एक अलग महत्व है. इस वर्ष के अंत में बिहार में चुनाव होने हैं. इसे लेकर हर एक विधानसभा के साथ पूरे बिहार में राजनीति गर्म है. बिहार में आने वाले दिनों में सत्ता किसके पास जाती है यह तो आने वाला समय ही बताएगा. सीट के समीकरण में हम आपको चनपटिया सीट के बारे में बताने जा रहे हैं. इस सीट पर लंबे समय से भाजपा ने अपना कब्जा जमा रखा है.

बिहार के 38 जिलों में से एक पश्चिमी चंपारण जिला भी है. जिले में कुल नौ विधानसभा सीटे हैं. चनपटिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र पश्चिमी चंपारण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा है. 2008 परिसीमन से पहले इसे बेतिया लोकसभा सीट के नाम से जाना जाता था. पश्चिमी चंपारण लोकसभा में कुल छह विधानसभा सीटें आती हैं. इसमें नौतन, चनपटिया, बेतिया, रक्सौल, सुगौली, नरकटिया शामिल हैं. इस सीट पर लंबे समय से भाजपा जीत रही है. 1957 में इस सीट पर पहली बार चुनाव हुए थे.

2000 के बाद भाजपा को लगातार जीत

2000 के विधानसभा चुनाव में चनपटिया सीट पर भाजपा के पहली बार जीत मिली. इस जीत के बाद भाजपा यहां से लगातार जीत दर्ज कर रही है. 2000 के चुनाव में भाजपा के कृष्ण कुमार मिश्रा ने जीत दर्ज की थी. उन्होंने समाजवादी जनता पार्टी (राष्ट्रीय) के शर्फुद्दीन शेख को 1559 वोट से हरा दिया था. कृष्ण कुमार मिश्र इससे पहले 1990 में जनता दल के टिकट पर जीत दर्ज कर चुके थे. 2005 में बिहार में दो बार चुनाव हुए थे. एक चुनाव फरवरी में हुआ था वहीं दूसरा चुनाव अक्तूबर में हुआ था. फरवरी में हुए चुनाव में भाजपा के सतीश चंद्र दुबे ने समाजवादी जनता पार्टी (राष्ट्रीय) के शर्फुद्दीन शेख को 16,216 वोट से हरा दिया था. 2005 अक्तूबर में फिर से बिहार में चुनाव हुए थे. इस चुनाव में फिर से भाजपा के सतीश को जीत मिली थी.

उत्तराखंड में कैसे लहराया भाजपा का परचम

देहरादून. उत्तराखंड में हाल ही में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में बीजेपी ने शानदार प्रदर्शन किया है. 12 में से 11 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर बीजेपी का कब्जा रहा. जबकि देहरादून एकमात्र ऐसी सीट रही जहां जिला पंचायत अध्यक्ष कांग्रेस का निर्वाचित हुआ. बीजेपी की इस शानदार जीत के पीछे एक तरफ जहां सीएम धामी का चेहरा था तो वहीं पार्टी संगठन की भी अहम भूमिका रही. उत्तराखंड में बीजेपी का संगठन इतनी मजबूती से काम कर रहा है कि साल 222 के विधानसभा चुनाव से लेकर 225 के पंचायत चुनाव तक पार्टी का प्रदर्शन शानदार रहा. जबकि कांग्रेस सूबे में निरंतर सिमटती जा रही है.

ऐसे में कई लोगों के मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि इस शानदार जीत के पीछे असली चेहरा आखिर कौन है? दरअसल बीजेपी को संगठन चलाता है और रणनीति बनाने में अहम भूमिका संगठन की ही होती है. ऐसे में सूबे में लगातार बीजेपी की बढ़त और दो विधानसभा चुनावों में जीत का तमगा सूबे में पार्टी के संगठन मंत्री अजेय कुमार को दिया जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों मानना है कि अजेय कुमार ही वो शख्स हैं जिनकी बदौलत बीजेपी उत्तराखंड में जमीनी स्तर पर पकड़ बनाये हुए है. अजेय कुमार के उत्तराखंड में आने के बाद बीजेपी ने 2022 के विधानसभा चुनाव, 2024 के लोकसभा चुनाव और 2025 में पंचायत चुनाव में शानदार जीत हासिल की है.

कौन हैं उत्तराखंड बीजेपी के संगठन महामंत्री अजेय कुमार- अजेय कुमार को 15 सितंबर 2019 को, बीजेपी उत्तराखंड के संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी. प्रदेश बीजेपी के संगठन मंत्री के तौर पर उनकी नियुक्ति तत्काल प्रभाव से हुई. यह वह दौर था जब बीजेपी की पकड़ उत्तराखंड में खिसक रही थी और उनसे पूर्व के संगठन मंत्री विवादों में घिरे हुए थे. ऐसे नाजुक वक्त में अजेय कुमार को उत्तर प्रदेश से उत्तराखंड भेजा गया और संगठन महामंत्री का दायित्व दिया गया. उन्होंने जैसे ही उत्तराखंड बीजेपी के संगठन मंत्री की जिम्मेदारी संभाली सबसे पहले पार्टी से नाराज चल रहे पुराने कार्यकर्ताओं को एकजुट किया और उनसे आपसी मतभेद को दूर किया. बीजेपी में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे पुराने कार्यकर्ताओं का विश्वास जीता और आपसी गुटबाजी को दूर किया.

चुनाव पूर्व संगठन की मजबूती पर जोर

भाजपा की नयी जिला समितियां घोषित

कोलकाता. प्रदेश भाजपा नेतृत्व ने 226 में होनेवाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर संगठन को मजबूत करने के लिए नयी जिला समितियों की घोषणा की है. यह जिला समिति 227 तक लागू रहेगी.

नयी समिति में आठ को उपाध्यक्ष, 4 को महासचिव और आठ को सचिव नियुक्त किया गया है. पार्टी की संगठनात्मक बैठक में यह निर्णय लिया गया था कि प्रदेश भाजपा 15 अगस्त तक सभी जिलों की समितियों को तैयार कर प्रकाशित करेगी, लेकिन निर्धारित समय के कुछ दिन बाद मंगलवार रात बंगाल भाजपा के 43 संगठनात्मक जिलों में से 36 की जिला समितियों की घोषणा कर दी गयी. पार्टी के प्रदेश नेतृत्व द्वारा 36 संगठनात्मक जिलों की समितियों की घोषणा की गयी है.

भाजपा सूत्रों के अनुसार, शेष सात संगठनात्मक जिलों की समितियां अभी पूरी तरह से तैयार नहीं हुई हैं और उनका प्रकाशन नहीं किया जा सका है. इन सभी संगठनात्मक जिलों में कोलकाता उत्तर, उत्तर उपनगर, दक्षिण कोलकाता, बैरकपुर, जादवपुर, हावड़ा सदर की समितियों का घोषणा होना बाकी है.

कार्यालय नगरपालिका परिषद् बिजुरी, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

क्रं./1015/न.पा./लो.नि./2025 Phone / Fax No. : 07658-264242, Email : cmobijuri@mpurban.gov.in, बिजुरी, दिनांक:- 22/08/2025

ई - निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग मे केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार, पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

क्रं.	ई-निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि
1	2	3 4 5		6	7	
01.	2025_UAD_446275_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM PANCHMUKHI HANUMAN MANDIR TO BAHERA BANDH CULVERT ATWARDS NO 15, FROM LOHSARA STADIUM TO MAUHARI APPROCH ROAD, FROM MAUHARIKHALETOLA MAUHARI TO BHAGTA COLLEGE	271.35 लाख	135675.00	15,000.00	22-09-2025 (17:30 HRS)
02.	2025_UAD_446274_1	INSTALLATION OF STREET LIGHT WITH OCTAGONAL POLE FROM KAPILDHARA MAIN ROAD TO PATHAK KIRANA GATE VIA RKVV SCHOOL AT WARD NO 07. FROM DOUBLE STORY TO SIGUDIAPPROACH ROAD AT WARD NO 03, FROM KAPILDHARA MAIN ROAD TO RAILWAY UNDER BRID GEAT WARD NO 07, FROM STAFF COLONY TO MAUHARI VILLAGE AT WARD NO 01, FROM BIJURI COLLIERY CANTEEN TO GALLAIYA TOLA RAILWAY FATAK VIA MINUS TIRAHA AT WARD NO 09	268.26 लाख	134130.00	15,000.00	22-09-2025 (17:30 HRS)
03.	2025_UAD_446273_1	ELECTRIFICATION WORK FROM KENAPARA ENTRANCE GATE TO RAILWAY OVER BRIDGE	253.94 लाख	126975.00	15,000.00	22-09-2025 (17:30 HRS)

01. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी समस्त जानकारी वेबसाईट (https://mptenders.gov.in) में नि:शुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है। 02. बिड प्रस्तुतिकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है। 03. निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन केवल वेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला - अनूपपुर (म.प्र.)